परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

श्री सुधेश जैन, इन्दौर

संरक्षक -

श्री अरविन्दकुमार जैन, इन्दौर दुग्ध संघ

श्री रमेशचंद नितेश भंडारी, गंजबासौदा

सहयोगी सदस्य -

श्री सुरेशचंद सुनीलकुमार जैन, गंजबासौदा

श्री संतोषकुमार जैन, ग्रीन पार्क, भोपाल

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

चांदी की पालकी में विराजमान, भगवान आदिनाथ जी का भव्य चल समारोह संपन्न

मनोज भंडारी, गंजबासौदा । प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पर्यूषण पर्व के समापन पर श्रीजी का भव्य चल समारोह का आयोजन 16 सितंबर 2022 को किया गया। रिमझिम बारिश के साथ प्रातः 7 बजे भगवान महावीर विहार से चल समारोह प्रारंभ हुआ, जो सुभाष चौक, नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक, सावरकर चौक, गांधी चौक होते हुए श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (गांधी चौक) पर पहुंचा। चल समारोह में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी के साथ-साथ रत्नयत्र धारी त्रय मुनिराजो का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। भगवान के चल समारोह में नगर के प्रमुख सेवा दल अपने-अपने दिव्य घोष के साथ आगे चल रहे थे । प्रमुख पात्र बग्गियों में सवार थे। महिला केसरिया वस्त्र एवं पुरुष सफेद वस्त्रों के साथ सम्मिलित हुए । श्री जी की पालकी के साथ मुनि श्री निर्दोष सागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लोभ सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निरुपम सागर जी महाराज बिहाररत थे। गांधी चौक स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पर भगवान का मंगल अभिषेक, शांतिधारा के उपरांत मुनि राजों की मंगल देशना सुनने का अवसर धर्म प्रेमी बंधुओं को प्राप्त हुआ । मंदिर समिति द्वारा नगर में जैन समाज द्वारा संचालित जैन पाठशालाओं में निशुल्क अध्ययन कराने वाली बहनों का सम्मान किया गया । सम्मान समारोह के उपरांत आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज की संगीतमय पूजन की गई । आयोजन के उपरांत स्नेह भोज का आयोजन धूसरपूरा जैन मंदिर धर्मशाला में किया गया । नगर में प्रतिवर्षानुसार क्षमावाणी पर्व के उपरांत आने वाली छट तिथि पर सकल जैन समाज द्वारा भगवान की शोभा यात्रा का आयोजन किया जाता रहा है। विमानजी चल समारोह का आयोजन श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति गांधी चौक द्वारा किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

पन्ना में भव्य दीक्षा समारोह 2 अक्टूबर को साआनंद संपन्न

अभिषेक जैन, पन्ना । पन्ना जिले में आत्म शुद्धि का महान पर्व दशलक्षण पर्व बहुत आनंद एवं उत्साह के साथ मनाया गया । पन्ना के दोनों मंदिरों में सुबह श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा पूजन, पूज्य मुनि श्री विश्रुत सागर जी महाराज के प्रवचन, दोपहर में तत्वार्थ सूत्र पर प्रवचन एवं शाम को आरती, प्रवचन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम सानंद संपन्न हुए । दशलक्षण पर्व के पूर्ण होने पर श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई एवं सामूहिक क्षमावाणी कर वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया ।

परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के प्रियाग्र शिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्रुत सागर जी महाराज के कर कमलों द्वारा श्री श्रेय भैया जी कोटा राजस्थान की भव्य दीक्षा 2 अक्टूबर 2022 को रत्नगर्भा नगरी पन्ना नगर में साआनंद संपन्न हुआ । इस पुनीत कार्य में श्रावकों ने सम्मिलित होकर दीक्षा की अनुमोदना कर पुण्यलाभ अर्जन किया ।

वार्षिक कलशाभिषेक का शेष भाग... मुनि श्री विनंद सागर जी महाराज ने कहा **"दिगम्बरत्व प्रदर्शन का नहीं आत्मदर्शन का प्रतीक है, यह वासना नहीं उपासना का प्रतीक है।"** उन्होंने कहा क्षमा विनम्रता का भाव वैसे ही उत्कृष्टता की ओर ले जाता है जैसे किसी पेड़ की डाली को नीचे की ओर झुकाकर छोड़ते हैं तो वह अपनी ऊंचाई से कहीं अधिक ऊपर तक जाती है, और घमंड की बिल्डिंग कितनी भी ऊँची क्यों ना हो वह 9 सेकंड में ढह जाती है। मुनिश्री विनुत सागर जी महाराज ने कहा क्षमा भाव को धारण करने से ऊंचाईयों तक पहुँच सकते हैं। उन्होंने कहा कलुषित आत्मा को पवित्र करने के लिए क्षमा भाव बहुत आवश्यक है जो पर्यूषण पर्व का पहला धर्म है यह इस भव और परभव में सुख देने वाला है । तत्पश्चात कलशाभिषेक शांतिधारा की क्रियाएं सम्पन्न की गयी। रात्रि में संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके शुभारम्भ में समीक्षा मोदी सीमा सिर्स और नीलू मोदी ने मंगलाचरण किया। चौधरी चक्रेश जैन के दिशा निर्देशन में पर्यूषण पर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात क्षमावाणी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने गत वर्ष में की गयी गलतियों एवं भूलों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी। दशलक्षण महापर्व पर श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर की पावन धरा पर अजय जैन मोनू के संचालन में आयोजित प्रतियोगिताओं के अंतर्गत जूनियर वर्ग की भजन, फैंसी ड्रेस और भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर आन्या जैन विधि चैंपियन बनी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सकल दिगम्बर जैन समाज का सहयोग रहा और सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। संचालन अनिल जैन चौधरी ने किया। अंत में आभार व्यक्त प्रवीन जैन कड़ेसरा ने किया।

फिर उमड़ा जन सैलाब का शेष भाग... सम्माननीय पदाधिकारियों को मंच को शोभायमान करने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ हेतु नन्हीं बालिकाएं अन्वी और दूर्वी ने नृत्यांजलि के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने करतल ध्वनि से सराहना की। इसके पश्चात प्रतिवर्ष की भांति पर्यूषण पर्व में तप साधना करने वाले श्रावकों का सम्मान किया गया। इनमें सतत रूप से दस, आठ और पांच उपवास करने वाले तप साधकों को समाज के मंचासीन ट्रस्टी और मुख्य अतिथियों द्वारा तिलक, माला और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों का सम्मान समारोह था जिसमें कक्षा छठवीं से लेकर कक्षा बारहवीं तक के विशिष्ट और प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्माननीय अतिथियों द्वारा पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। बच्चों की उत्कृष्ट प्रतिभा का समूचे समाज ने करतल ध्वनियों से अभिनंदन किया। विदित हो कि समाज के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं के सम्मान के लिए श्रीमती विजया-अजय जैन की ओर से दी गई धनराशि का एक फंड बनाया गया है जिसके आधार पर प्रतिवर्ष समाज के छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया जाता है ।

इस वर्ष क्षमावाणी कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। प्रथम बार विजयनगर क्षेत्र के नन्हे बालक बालिकाओं द्वारा वैराग्य भावना से ओतप्रोत, मर्मस्पर्शी, यथार्थ पूरक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इसमें 5 वर्ष से 10 वर्ष तक की आयु के नन्हे नन्हे बच्चों द्वारा संगीतमय अभिनय के द्वारा संसार की असारता को दर्शाया गया था। नन्हे-मुन्ने बच्चों के जीवंत अभिनय से उपस्थित जनसमूह भावुक हो उठा और प्रस्तुति समाप्त होने के काफी देर बाद तक पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। समाज के अनेक लोगों ने बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप धन राशि की घोषणा कर उन्हें पुरस्कृत किया। मंचासीन अतिथियों ने भी बच्चों को पुरस्कार दिए। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति का संयोजन समाज की ही प्रतिभाशाली बहू श्रीमती निहारिका जैन और श्रीमती पल्लवी जैन ने किया था, जिनकी सभी ने भूरि भूरि सराहना की। मंच से उन्हें भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सुधेश जैन और श्रीमती अनुपमा जैन ने किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में 1008 श्री आदिनाथ मंदिर के निर्माण में महत्ती भूमिका निभाने वाले, कर्मठ और समर्पित व्यक्तित्व के धनी श्री बाहुबली जैन ने अपने सचिव उद्बोधन में गत वर्ष मंदिर व समाज में संपन्न हुए विविध कार्यक्रमों की तथा आगामी पंचकल्याणक और उससे संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतिम चरण में श्रीजी का कलशाभिषेक चयनित इंद्रों के द्वारा किया गया। अभिषेक, शांति धारा और आरती के पश्चात सभी समाजजनों ने आपस में स्नेहपूर्वक क्षमा याचना की । क्षमावाणी के बाद सभी ने निशुल्क सुस्वादु भोजन का आनंद लिया।

विगत कई वर्षों से क्षमावाणी के कार्यक्रम में यह अनुभव किया गया है की समाजजन निर्धारित समय पर नहीं पधारकर काफी देर से आते हैं जिससे कार्यक्रम समय पर प्रारंभ नहीं हो पाता है और कार्यक्रम की रोचकता भी समाप्त हो जाती है। समाजजनों की सहभागिता बढ़ाने के लिए आगामी वर्षों में कुछ नई योजनाओं पर विचार किया जा रहा है जैसे कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा रोचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भोजन के लिए सशुल्क पास और लकी ड्रॉ वितरित किए जाएंगे, ताकि समाजजन समय पर उपस्थित होकर सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर आनंद ले सकें, न कि सिर्फ भोजन के समय पर ही उपस्थिति दर्ज कराकर समाज के प्रति अपने कर्त्तव्य की इतिश्री की भावना न रखें । आगामी पंचकल्याणक को मद्दे नजर रखते हुए अनेक गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी और समाज में महिला संगठन, बहू मंडल, युवा मंडल आदि का पुनर्गठन किया जा रहा है । अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे - 9009066884